PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – मिल्क बुश (Milk Bush)

सामान्य नाम (Common Name) – Milk Bush, Pencil Tree, Indian Spurge Tree, Thuhar, सींधवर

वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Euphorbia tirucalli*

कुल का नाम (Family) – Euphorbiaceae (यूफोर्बिएसी / थूहर कुल)

🌱 पौधे का स्वभाव (Nature / Habit)

- मिल्क बुश एक **झाड़ीदार या छोटा पेड़** होता है, जिसकी ऊँचाई **3 से 9 मीटर** तक हो सकती है।
- इसका तना और शाखाएँ **हरी, पतली, बेलनाकार (pencil-like)** और रसदार होती हैं।
- इसमें पत्तियाँ बहुत छोटी और जल्दी गिर जाने वाली होती हैं।
- पौधे से निकलने वाला **सफेद दूधिया रस (latex)** अत्यधिक **विषैला (toxic)** होता है।
- यह पौधा **सूखा-सहिष्णु (drought-tolerant)** और **तेजी से बढ़ने वाला (fast-growing)** है।
- फूल बहुत छोटे और **पीले रंग** के होते हैं।

🌿 पौधे की प्रकृति

- यह एक **रसदार (succulent)** पौधा है जो **गर्म, शुष्क और धूप वाले क्षेत्रों** में अच्छी तरह बढ़ता है।
- इसे **हेज (बाड़)** या **सीमांत वृक्ष (border plant)** के रूप में लगाया जाता है।
- मिट्टी की **नमी और उर्वरता की आवश्यकता कम** होती है।
- यह पौधा **दूधिया रस से भरा होता है**, जो पौधे की रक्षा के लिए कीटों और जानवरों से बचाता है।

🌳 उपयोग (Uses)

🌲 1. पर्यावरणीय उपयोग

- इसे **मिट्टी के कटाव रोकने**, **रेतीली भूमि सुधार** और **सूखे क्षेत्रों में हरियाली** लाने के लिए लगाया जाता है।
- यह पौधा **सूखा प्रतिरोधक (drought resistant)** होने के कारण बंजर भूमि में उपयोगी है।

🪵 2. औद्योगिक उपयोग

- पौधे से निकलने वाला **दूधिया लेटेक्स** जैव ईंधन (biofuel) और रबर उत्पादन में अध्ययनाधीन है।
- कुछ देशों में इसे **"Petroleum Plant"** भी कहा जाता है क्योंकि इसके रस से हाइड्रोकार्बन जैसे तत्व प्राप्त किए जा सकते हैं।
- पौधे की शाखाएँ **बाड़ (fence)** बनाने में उपयोगी हैं, क्योंकि पशु इन्हें नहीं खाते।

🌼 3. सजावटी उपयोग

- गमलों और रॉक गार्डन में इसे **सजावटी (ornamental succulent)** के रूप में लगाया जाता है।

- इसकी अनोखी आकृति बगीचों में आकर्षक लगती है।

💊 औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)

⚠️ *Euphorbia tirucalli* का रस अत्यधिक **विषैला** होता है। इसका औषधीय उपयोग केवल प्रशिक्षित आयुर्वेदिक चिकित्सक की देखरेख में ही किया जाना चाहिए।

🌿 पारंपरिक उपयोग:

1. **त्वचा रोगों में उपयोगी (External use)**
   - बहुत पतला करके **मस्से (warts)** और **फोड़े-फुंसी** पर लगाया जाता है।
   - रस का उपयोग **त्वचा पर उभरी गांठों** को सुखाने के लिए किया जाता है।
2. **कृमिनाशक और दर्द निवारक (Anthelmintic & Analgesic)**
   - पारंपरिक चिकित्सा में *कृमि, जोड़ दर्द और दंत रोगों* में अल्प मात्रा में प्रयोग किया जाता है।
3. **श्वसन रोगों में उपयोग (Respiratory ailments)**
   - पुराने समय में **अस्थमा, खांसी और ब्रोंकाइटिस** में रस का अत्यंत नियंत्रित प्रयोग किया जाता था।
4. **कैंसररोधी गुण (Anti-cancer potential)**
   - आधुनिक शोधों के अनुसार, पौधे के तत्वों में **कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने** की क्षमता पाई गई है (in vitro studies), परंतु यह *अभी प्रयोगात्मक स्तर पर* है।
5. **घाव भरने में उपयोगी**
   - पतला किया गया लेटेक्स *घावों को भरने और संक्रमण रोकने* में मददगार होता है।

⚠️ सावधानी (Precautions)

- पौधे का रस **त्वचा, आँखों और मुँह** में जाने पर *तेज़ जलन, सूजन, और अंधत्व तक* का कारण बन सकता है।
- रस का **सीधा संपर्क त्वचा या आँखों से न करें**।
- बच्चों और पालतू जानवरों से पौधे को दूर रखें।
- सेवन करने पर **उल्टी, दस्त, मुँह में जलन और सांस लेने में तकलीफ़** हो सकती है।